

UP Board Notes for Class 12 English Poetry Short Poems Chapter 1 Character of a Happy Life

About the Poet : Sir Henry Wotton was born in 1568. He was educated at Winchester, Oxford, Middle Temple, etc. He became agent and secretary to the Earl of Essex. He was the ambassador at the court of Venice. He served various other diplomatic missions.

About the Poem : In this poem the poet describes the qualities necessary for a truly happy man, e.g. independence, honesty, truthfulness, straight forwardness, clear heartedness, etc. He should also pray to God daily.

Central Ideas

In this didactic poem Sir Henry Wotton describes the character of a happy man. He should be independent, honest and truthful. He should be free from jealousy, ill will and worldly anxieties. He should be very careful of flatterers and rumours. He should pray to God daily for Godly merits. He should not be overjoyed in his achievements and disconsolate in failures. He should be master of himself. Contentment and self-respect are the greatest qualities of a happy man.

(इस शिक्षाप्रद कविता में सर हेनरी वाटन एक प्रसन्न व्यक्ति के लक्षणों का वर्णन करता है। उसे स्वतन्त्र, ईमानदार और सत्यवादी होना चाहिए। उसे ईर्ष्या, दुर्भावना तथा सांसारिक चिन्ताओं से मुक्त होना चाहिए। उसे चापलूसों तथा अफवाहों से बहुत सावधान रहना चाहिए। दैवी गुणों के लिए उसे प्रतिदिन ईश्वर की प्रार्थना करनी चाहिए। उसे उपलब्धियों में अत्यधिक प्रसन्न और असफलताओं में निराश या दुःखी नहीं होना चाहिए। उसे स्वयं का स्वामी होना चाहिए। आत्म-सन्तुष्टि एवं आत्म-सम्मान एक प्रसन्न व्यक्ति के सबसे बड़े गुण हैं।)

EXPLANATIONS (With Meanings & Hindi Translation)

Character Of A Happy Life In Hindi (1)

How happy is he born or taught,
That serveth not another's will;
Whose armour is his honest thought,
And simple truth his utmost skill !

[**Word-meanings :** taught = सिखाया advised; serveth (serves) = कार्य करना act; will = इच्छा wish; armour = कवच weapon for protection; honest thought = शुद्ध विचार noble ideas या honesty; utmost = सबसे बड़ी greatest; skill = गुण quality.]

(वह मनुष्य कितना प्रसन्न होगा जो दूसरे व्यक्ति के अधीन नहीं है अर्थात् आत्म-निर्भर व्यक्ति बहुत प्रसन्न होता है। यह गुण उसमें जन्मजात भी हो सकता है और सिखाया भी जा सकता है। उस व्यक्ति की सुरक्षा का हथियार उसके शुद्ध विचार तथा ईमानदारी है और केवल सत्य ही उसका सबसे बड़ा गुण होता है।)

Reference : This stanza refers to the famous poem 'Character of a Happy Life' composed by Sir Henry Wotton.

[**N.B. :** The above reference will be used for all the explanations of this poem.]

Context : In these lines the poet describes the character of a happy man. He points out some of the essential qualities for a happy life. He advises us to be independent and true if we want to be happy..

Explanation : In this stanza the poet points out the qualities of a happy man. He says that happy man is independent in his thinking and action. He is self-dependent. Either he has this quality by birth or he has been taught to have it. He is always honest and has no ill will for anybody. So he does not need any other weapon for his protection. The greatest quality of his character is only truth. For this quality he is honoured. Thus the man who has these qualities will be happy beyond expectation.

(इस पद्यांश में कवि एक प्रसन्न व्यक्ति के लक्षण बताता है। वह बताता है कि एक प्रसन्न व्यक्ति अपने विचारों तथा कार्यों में स्वतन्त्र होता है। वह आत्म-निर्भर होता है। या तो उसमें यह गुण जन्मजात होता है या इसे प्राप्त करने के लिए उसे सिखाया जाता है। वह सदा ईमानदार होता है और किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखता। इसलिए उसे अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य हथियार की आवश्यकता नहीं होती। उसके चरित्र का सबसे महान् लक्षण केवल सत्य होता है। इसी गुण के कारण उसका सम्मान किया जाता है। इस प्रकार वह मनुष्य जिसमें यह सभी गुण होंगे वह आशा से अधिक प्रसन्न होगा।)

comments : The poet has personified thought' and truth' which are abstract notions (अदृश्य विचार).

Character Of A Happy Life Central Idea (2)

Whose passions not his masters are,
Whose soul is still prepared for death;
Untied unto the world with care,
Of princely love or vulgar breath.

[**Word-meanings :** passions = मन की प्रबल भावनाएँ, क्रोध, घृणा, प्रेम आदि strong feelings of love, anger, hate, etc.; masters = पथ-प्रदर्शक, स्वामी guide; still = सदा always; untied = स्वतन्त्र free from; princely love = राजकुमारों का प्यार love of a prince; vulgar breath = सामान्य लोगों का मत या आलोचना opinion या criticism of the common people.]

(वह व्यक्ति कितना प्रसन्न होगा जो अपनी तीव्र मानसिक भावनाओं (क्रोध, घृणा, प्रेम) से विचलित न हो अर्थात् जो अपनी तीव्र भावनाओं के वशीभूत न हो। जो मनुष्य सदा मृत्यु के लिए भी तैयार रहता है अर्थात् जिसे मृत्यु का भय नहीं है, जो इस संसार में सभी प्रकार की चिन्ताओं से मुक्त होकर जीवन व्यतीत करता है। और जिसे राजकुमारों का प्यार अथवा जनता की आलोचना भी विचलित नहीं कर पाती हो वह व्यक्ति अत्यन्त प्रसन्न होगा।)

Context : In these lines the poet describes the character of a happy man. He is free and self-dependent. He is honest and truthful. He has no ill will for anybody.

Explanation : In this stanza the poet says that a man who is calm and balanced is always happy. He is not guided or controlled by the strong feelings of heart, e.g. anger, hate, love, etc. He leads a simple and honest life. He is always free from worldly anxieties and worries. So he is never afraid even of death. He neither likes flattery nor does he mind the public criticism. So he is always happy.

(इस पद्यांश में कवि कहता है कि वह मनुष्य जो शान्त और सन्तुलित होता है, सदा प्रसन्न होता है। वह हृदय की तीव्र भावनाओं, जैसे-क्रोध, घृणा, प्रेम आदि से नियन्त्रित नहीं होता। वह सादा और ईमानदारी का जीवन व्यतीत करता है। वह सांसारिक चिन्ताओं तथा परेशानियों से मुक्त होता है। इसलिए वह कभी मृत्यु से भी भयभीत नहीं होता। वह न तो चापलूसी को पसन्द करता है और न सार्वजनिक आलोचना की ओर ध्यान देता है। इसलिए वह सदा प्रसन्न होता है।)

Comments : In the last line 'of princely love....' the poet describes the political condition of England.

Character Of Happy Life (3)

Who hath his life from rumours freed,
Whose conscience is his strong retreat;
Whose state can neither flatterers feed.
Nor ruin make oppressors great;

[**Word-meanings :** hath = रखना has; rumours = अफवाहें false news; conscience = अन्तःकरण innerself; retreat = शरण देने का स्थान place of shelter; state = स्थिति position, status; flatterers = चापलूस व्यक्ति one who praises too much; ruin = नष्ट करना destroy; feed = सन्तुष्ट करना satisfy; oppressors = दमनकर्ता those who treat others cruelly.]

(वह मनुष्य प्रसन्न होता है जो अफवाहों से प्रभावित न हो, जिसकी अन्तरात्मा ही सबसे शक्तिशाली शरणस्थल हो अर्थात् जो अपनी अन्तरात्मा की आवाज का दृढ़ता से पालन करता हो, जो चापलूस व्यक्तियों की झूठी प्रशंसा से सन्तुष्ट न हो, बड़े-बड़े दमनकर्ता भी ऐसे व्यक्ति को कोई हानि नहीं पहुँचा सकते। ऐसा व्यक्ति सदा प्रसन्न रहता है।)

Context : The poet says that a calm and balanced man is always happy. He is free from worldly anxieties and worries. He does not fear from death and is very careful of flatterers.

Explanation : In this stanza the poet says that a happy man does not believe in rumours. He is always guided by his conscience and follows its voice strictly. He does not like to keep company with flatterers. He is not influenced by his false praise. So he is never proud of himself. Even a cruel and unjust man cannot give him any harm., Such a man leads a happy and ideal life.

(इस पद्यांश में कवि कहता है कि एक प्रसन्न व्यक्ति अफवाहों में विश्वास नहीं करता। वह सदा अपनी अन्तरात्मा से ही निर्देशित होता है और उसकी आवाज का पूर्ण रूप से अनुसरण करता है। वह चापलूस व्यक्तियों की संगति में रहना पसन्द नहीं करता। वह अपनी झूठी प्रशंसा से भी प्रभावित नहीं होता। इसलिए वह कभी भी अपने ऊपर गर्व नहीं करता। एक अत्याचारी तथा अन्यायी व्यक्ति भी उसे हानि नहीं पहुँचा सकता। ऐसा व्यक्ति एक आदर्श और प्रसन्न जीवन व्यतीत करता है।)

Up Board 12th English Poetry Pdf (4)

Who envies none whom chance doth raise
Nor vice; who never understood
How deepest wounds are given with praise;
Nor rules of state, but rules of good;

[**Word-meanings** : envies = ईर्ष्या करना to have ill will against anybody; chance = अवसर, भाग्य luck; raise = उन्नति करना, ऊपर उठाना lift up; vice = बुराई evil; deepest = अत्यधिक very much; wounds = कष्ट pains; state = राज्य, सरकार government; good=सदाचार good conduct.]

(वह व्यक्ति कितना प्रसन्न होगा जो किसी ऐसे व्यक्ति से ईर्ष्या नहीं करता जिसकी संयोग से या सौभाग्य से उन्नति हुई हो और जो किसी के विरुद्ध कोई बुरी भावना न रखता हो। इस व्यक्ति को यह समझ लेना चाहिए। कि झूठी प्रशंसा के घाव बहुत गहरे होते हैं अर्थात् झूठी प्रशंसा से ऐसा कष्ट होता है जो काफी समय तक भी दूर नहीं होता। एक प्रसन्न व्यक्ति सरकार के नियमों के प्रति इतना वफादार नहीं होता जितना सदाचार के नियमों के प्रति।)

Context : The poet describes the character of a happy man. A happy man is always free, honest and truthful. He is careful of flatterers. He is never proud of himself.

Explanation : In this stanza the poet says that some people may progress in their life by chance or by luck. But a good man is never envious of them. So he is a happy man. He understands that false praise causes deep wounds which cannot be healed up. So a man who is careful of his praise is always happy. Everybody obeys the rules of government by force. But a good man follows the rules of good conduct also. He gives more importance to the rules of good conduct and has no fear of any legal action to be taken against him. He knows well that good conduct is above all things.

(इस पद्यांश में कवि कहता है कि कुछ व्यक्ति अपने जीवन में अवसर का लाभ उठाकर या भाग्य के कारण उन्नति कर सकते हैं। किन्तु एक भला मनुष्य ऐसे व्यक्तियों से कभी ईर्ष्या नहीं करता। इसलिए वह एक प्रसन्न व्यक्ति होता है। वह समझता है कि झूठी प्रशंसा से जखम गहरे हो जाते हैं जिन्हें भरा नहीं जा सकता। इसलिए ऐसा व्यक्ति जो अपनी प्रशंसा के प्रति सावधान है, सदा प्रसन्न होता है। प्रत्येक व्यक्ति विवशता से सरकार के नियमों का पालन करता है, किन्तु एक भला व्यक्ति अच्छे आचरण के नियमों का भी पालन करता है। वह सदाचार के नियमों को अधिक महत्त्व देता है और उसे अपने विरुद्ध किसी कानूनी कार्यवाही का भय नहीं होता। वह भली प्रकार जानता है कि सदाचार सभी वस्तुओं से ऊपर होता है।)

Class 12 English Poetry Chapter 1 (5)

Who God doth late and early pray
More of His grace than gifts to lend;

Who entertains the harmless day
With a well-chosen book or friend; [2010]

[**Word-meanings** : doth = करता है does; late and early = देर-सवेर, कभी भी whenever one gets time; grace = ईश्वरीय गुण godly goodness; gifts = भगवान् के दिए हुए सुख एवं आनन्द blessings and happiness given by God; entertains = आनन्द लेता है enjoys; harmless day= पूरे दिन बिना किसी को हानि पहुँचाए without giving any harm to anybody.]

(वह व्यक्ति कितना प्रसन्न होगा जो शाम-सवेरे कभी भी भगवान् की प्रार्थना करता है। ऐसे व्यक्ति को भगवान् की प्रार्थना ईश्वरीय गुण प्राप्त करने के लिए करनी चाहिए, न कि जीवन के आनन्द या अन्य के लिए। ऐसे व्यक्ति को पूरे दिन अर्थात् किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को कष्ट नहीं पहुँचाना चाहिए, बल्कि उसे अपना समय अच्छी पुस्तक पढ़ने में या अच्छे मित्र की संगति में व्यतीत करना चाहिए।)

Context : The poet says that a happy man is never envious of the progress of others. He always follows the rules of good conduct without any fear of any action by the government.
Explanation : In this stanza the poet advises to pray to God daily whenever we get time. It is very necessary to lead a happy life. We should not pray to God for worldly gains but for his blessings and mercy. A man should not give harm of any kind to anybody at any time in the whole day. But he should pass his time either in reading good books or in the company of religious and pious people. Such a man will lead a very happy life.

(इस पद्यांश में कवि हमें शिक्षा देता है कि जब भी समय मिले, हमें भगवान् की प्रार्थना करनी चाहिए। एक प्रसन्न जीवन बिताने के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है। हमें भगवान् से सांसारिक लाभ के लिए प्रार्थना नहीं करनी चाहिए, बल्कि उसके आशीर्वाद तथा दया के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को पूरे दिन में किसी भी समय किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुँचानी चाहिए। बल्कि उसे अपना समय या तो अच्छी पुस्तकों को पढ़ने में बिताना चाहिए या धार्मिक तथा पवित्र व्यक्तियों की संगति में। ऐसा व्यक्ति आनन्दमय जीवन व्यतीत करेगा।)

Comments : A happy man is the devotee of God.

Character Of Happy Life In Hindi (6)

This man is free from servile bands
Of hope to rise, or fear to fail;
Lord of himself, though not of lands;
And having nothing, he hath all.

[**Word-meanings** : servile = दासतापूर्ण like slaves; bands = बन्धन; rise = उन्नति progress; fall = अवनति या असफलता failure.]

(एक सुखी मनुष्य सभी प्रकार के विचारों एवं भावनाओं से स्वतन्त्र होता है। वह उनका दास नहीं होता अर्थात् उसे न तो उन्नति या सफलता की इच्छा होती है और न अवनति या असफलता का भय। वह भले ही धन या धरती का स्वामी न हो फिर भी वह अपना स्वामी स्वयं होता है। उसके पास कुछ भी न होते हुए सब कुछ होता है अर्थात् स्वतन्त्र विचार, आत्म-सम्मान एवं आत्म-सन्तोष ऐसे गुण हैं जो उसके जीवन को पूर्ण सुखी बनाते हैं।)

Context : In these lines the poet describes the character of a happy life. He says that honesty, truthfulness, and sincerity are the main qualities of a happy man. The man who passes his time in reading good books or in the company of good people is always happy.

Explanation : In this concluding stanza the poet advises us to lead an independent life. A man should not depend upon others. He should be free from all hopes and fears. He should not be overjoyed in his achievements and should not be disconsolate in failures. Although he may not have worldly riches yet he is the master of himself. Thus independence, self-respect and contentment are the merits that make a man happy.

(इस अन्तिम पद्यांश में कवि हमें स्वतन्त्र जीवन व्यतीत करने की शिक्षा देता है। किसी भी व्यक्ति को दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उसे सभी प्रकार की आशाओं तथा भय से मुक्त होना चाहिए। उसे अपनी उपलब्धियों पर आवश्यकता से अधिक प्रसन्न नहीं होना चाहिए और असफलताओं पर निराश नहीं होना चाहिए। हो सकता है कि उसके पास सांसारिक धन-दौलत न हो फिर भी वह स्वयं अपना स्वामी होता है। इस प्रकार स्वतन्त्रता, आत्म-सम्मान और सन्तुष्टि ऐसे गुण हैं जो किसी मनुष्य को प्रसन्न बनाते हैं।)